

② कर्मवाच्य -

जब किसी वाक्य में प्रयुक्त क्रिया

'कर्म' के अनुसार प्रयुक्त हो, अर्थात् कर्म के लिंग

और वचन को बदलने पर क्रिया के लिंग और

वचन में भी बदलाव हो जाए, तो उसे कर्मवाच्य कहते हैं।

जैसे - हरीश के द्वारा पत्र लिखा गया।

विवेक के द्वारा पुस्तक पढ़ी गई।

पूजा के द्वारा पुस्तक पढ़ी गई।

पूजा के द्वारा पुस्तकें पढ़ी गईं।

विकास से पुस्तक पढ़ी नहीं जाती।

अजय के द्वारा पुस्तकें पढ़ी नहीं जातीं।

पत्र लिखा नहीं जाता।

अखबार पढ़ा नहीं जाता।

जबीता से गाना गाया नहीं जाता।

सीमा से गाने गाए नहीं जाते।

कोहली के द्वारा मैच दुबई में खेला जा रहा है।

मित्रों के द्वारा विपत्ति में मदद की जाती है।

फैव्हरी बंद करा दी गई।

फुलबॉल खेली जा रही है।

जानी से कहानी सुनाई नहीं जाती।

कहानी सुनाई जाती है।

विजय के द्वारा चोर पकड़ लिया गया।



मजदूर से पत्थर तोड़े नहीं जाते।

नीहारिका से लेख लिखा नहीं जाता।

लेख लिखा जाता है।

मुकेश से समाचार पढ़े नहीं जाते।

समाचार पढ़े जाते हैं।

रेखा से पत्र मिखा नहीं जाता।

संजय से गाड़ी चलाई नहीं जाती।

विजय से लड़ाई लड़ी नहीं जाती।

उससे सक्की पकाई नहीं जाती।

**विशेष-** कर्मवाच्य हमेशा 'सकर्मक क्रिया' का ही वक्तव्य है।